ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 03-02-2026

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-02-03 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-02-04	2026-02-05	2026-02-06	2026-02-07	2026-02-08
वर्षा (मिमी)	1.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	13.0	13.0	14.0	14.0	14.0
न्यूनतम तापमान(से.)	3.0	3.0	3.0	3.0	3.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	72	67	65	67	68
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	26	26	28	27
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	9	9	8	7
पवन दिशा (डिग्री)	160	30	31	27	27
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	1	4	1	1
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ; कोहरा	कोहरा	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

3 फरवरी को 1 मिमी हल्की बूंदाबांदी के साथ घना कोहरा, गरज, बिजली, आंधी और तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है, जबकि 4 फरवरी को भी घना कोहरा छाए रहने की आशंका है। इन स्थितियों के लिए पीली चेतावनी जारी की गई है। आने वाले दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 13.0-14.0 डिग्री सेल्सियस और 3.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। हवा दक्षिण-दक्षिण-पूर्व और उत्तर-पूर्व-उत्तर दिशा से 7-9 किमी/घंटा की गति से चलने की संभावना है। 3 और 4 फरवरी के लिए घना कोहरा, गरज, बिजली, आंधी और तेज सतही हवाओं के लिए पीली चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

घने कोहरे, गरज-चमक, बिजली गिरने, तेज हवाओं और सतह पर तेज हवाओं के संबंध में पीली चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

रोग और कीटों के खिलाफ छिड़काव कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। तेज हवाओं की स्थिति में फसलों को गिरने से बचाने के लिए सिंचाई करने से बचें।

सामान्य सलाहकार:

मौसम का पूर्वानुमान "मौसम ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट किया जाता है और मौसम संबंधी कृषि सलाह "मेघदूत ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट की जाती है। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी ऐप" उपलब्ध है। मौसम, मेघदूत और दामिनी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 30 जनवरी से 5 फरवरी तक के विस्तारित पूर्वानुमान प्रणाली के अनुसार, भारी वर्षा की कमी रहेगी, अधिकतम तापमान सामान्य रहेगा और न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहेगा।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, घने कोहरे, गरज-चमक और तेज हवाओं के संबंध में पीली चेतावनी जारी की गई है, इसलिए छिड़काव कार्यों में देरी की जानी चाहिए और सिंचाई से बचना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फूल आने और फली बनने की अवस्था में सिंचाई आवश्यक होती है, इसलिए मिट्टी में नमी की आवश्यकता के अनुसार सिंचाई करें। कीटों और रोगों के खिलाफ छिड़काव सूखे दिनों में करना चाहिए।
मसूर की दाल	फूल आने और फली बनने की अवस्था में सिंचाई आवश्यक होती है, इसलिए मिट्टी में नमी की आवश्यकता के अनुसार सिंचाई करें। कीटों और रोगों के खिलाफ छिड़काव सूखे दिनों में करना चाहिए।
रेपसीड	फूल आने और फली बनने की अवस्था में जीवन रक्षक सिंचाई करना महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे मिट्टी की नमी की आवश्यकता के अनुसार ही देना चाहिए। रेपसीड की फसल में कीट और रोग के हमले की निगरानी करनी चाहिए और अनुशंसित नियंत्रण उपायों का पालन करना चाहिए। अल्टरनेरिया ब्लाइट के हमले की स्थिति में, मैनकोजेब 75% का 2 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में घोलकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार नियमित रूप से छिड़काव करें, जबकि सफेद रतुआ के हमले की स्थिति में, मेटालेक्सिल 35 डब्लू एस या रिडोमिल एम्ज़ 72 का 2.5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में घोलकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करें।
सरसों	फूल आने और फली बनने की अवस्था में जीवन रक्षक सिंचाई करना महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे मिट्टी की नमी की आवश्यकता के अनुसार ही देना चाहिए। सरसों की फसल में कीट और रोग के हमले की निगरानी करनी चाहिए और अनुशंसित नियंत्रण उपायों का पालन करना चाहिए। अल्टरनेरिया ब्लाइट के हमले की स्थिति में, मैनकोजेब 75% का 2 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में घोलकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार नियमित रूप से छिड़काव करें, जबकि सफेद रतुआ के हमले की स्थिति में, मेटालेक्सिल 35 डब्लू एस या रिडोमिल एम्ज़ 72 का 2.5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में घोलकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करें।
गेहूँ	फसल में खरपतवार नियंत्रण के उपाय किए जाने चाहिए और नियमित रूप से रोगों की निगरानी की जानी चाहिए। फसल की सिंचाई करने से बचें।
जौ	फसल में खरपतवार नियंत्रण के उपाय किए जाने चाहिए और नियमित रूप से रोगों की निगरानी की जानी चाहिए। फसल की सिंचाई करने से बचें।
गन्ना	फसल की कटाई 16-18% ब्रिक्स मान पर की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	मिट्टी में नमी की आवश्यकता के अनुसार ही सिंचाई करनी चाहिए, क्योंकि अत्यधिक सिंचाई से पौधों को नुकसान हो सकता है। फसल में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करते रहना चाहिए।
सब्जी पीईए	मटर की फसल शुष्क और ठंडी रातों के प्रति बहुत संवेदनशील होती है, इसलिए आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई की जानी चाहिए और कीटों और रोगों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। फफूंदी/महू के हमले की स्थिति में उचित रासायनिक या यांत्रिक उपाय किए जाने चाहिए।
टमाटर	फसल में रोग फैलाने वाले कीटों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित तरीकों से उनका नियंत्रण किया जाना चाहिए। टमाटर में लगने वाले पछेती झुलसा रोग को मैनकोजेब के 2.5 ग्राम/लीटर पानी के छिड़काव से रोका जा सकता है।
आलू	आलू में पछेती झुलसा रोग को मैनकोजेब के 2.5 ग्राम/लीटर पानी के छिड़काव से रोका जा सकता है

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ाएँ। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, उनके लिए उचित बाड़ा बनाएँ। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए उनका टीकाकरण करें। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए उनके चारे में 10% की वृद्धि करें।
गाय	पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ाएँ। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, उनके लिए उचित बाड़ा बनाएँ। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए उनका टीकाकरण करें। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए उनके चारे में 10% की वृद्धि करें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	पशुचिकित्सक के निर्देशानुसार, उनके आहार में कवक की वृद्धि के कारण होने वाले एफ्लाटॉक्सियोसिस के लिए दवा दी जानी चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

तेज हवाओं के चलने की स्थिति में छिड़काव कार्यों में बाधा और पौधों के गिरने की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

छिड़काव का कार्य शुष्क दिनों में निर्धारित किया जाना चाहिए और पीले चेतावनी वाले दिनों में सिंचाई से बचना चाहिए।